

---

# Govardhanadhara Ashtakam

गोवर्धनधराष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Govardhanadhara Ashtakam 4

File name : govardhanadharAShTakam4.itx

Category : vishhnu, krishna, aShTaka

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Vani V.

Latest update : July 22, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 23, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Govardhanadhara Ashtakam

---

### गोवर्धनधराष्टकम्

---



गोपनारी मुष्मांभोजभास्करं वेणुवाद्यकम् ।  
राघिकारसभोक्तारं गोवर्धनधरं भजे ॥ १ ॥

आभीरनगरीप्राणप्रियं सत्यपराङ्मम् ।  
स्वभृत्यभयभेत्तारं गोवर्धनधरं भजे ॥ २ ॥

प्रजस्त्री विप्रयोगाग्नि निवारिकमडर्निशम् ।  
मडामरकतश्यामं गोवर्धनधरं भजे ॥ ३ ॥

नवकञ्चनिभाक्षं य गोपीजनमनोडरम् ।  
वनमालाधरं शश्वद्रोवर्धनधरं भजे ॥ ४ ॥

भक्तवाञ्छाकल्पवृक्षं नवनीतपयोमुष्मम् ।  
यशोदामातृसानन्दं गोवर्धनधरं भजे ॥ ५ ॥

अनन्यकृतलुब्धभावपूरकं पीतवसनम् ।  
रासमन्डलमध्यस्थं गोवर्धनधरं भजे ॥ ६ ॥

ध्वजवज्रादिसञ्चिह्न राजञ्चरणापङ्कजम् ।  
शूङ्गाररसमर्मज्ञं गोवर्धनधरं भजे ॥ ७ ॥

पुरुडूतमडावृष्टिर्नाशकं गोगणावृतम् ।  
भक्तनेत्रयकोरेन्दुं गोवर्धनधरं भजे ॥ ८ ॥


गोवर्धनधराष्टकमिदं यः प्रपठेत्सुधीः ।  
सर्वदानन्यभावेन सङ्कषणो रतिमाप्नुयात् ॥ ९ ॥


रथितं भक्तिलाभाय धारकानां सनातम् ।  
मुक्तिदं सर्वजन्तूनां गोवर्धनधराष्टकम् ॥ १० ॥

इति श्रीगोकुलचन्द्रकृतं गोवर्धनधराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Vani V.

---

——  
*Govardhanadhara Ashtakam*  
pdf was typeset on July 23, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

